17 AUG 2019

दृष्टि The Vision

इतिहास (वैकल्पिक विषय)

8 Test

(मध्यकालीन इतिहास)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

DTVF/19 (J-S)–M–**H2**

Name: NAVEEN GAHLAWAT Mobile Number: ____

Medium (English/Hindi): HINDI Reg. Number: 3503453

Center & Date: M·KAAGAR UPSC Roll No. *(If allotted)*: ____

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषा में मुद्रित हैं।
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
There are EIGHT questions divided in TWO SECTIONS and printed both in HINDI & ENGLISH.
Candidate has to attempt FIVE questions in all.
Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any THREE are to be attempted choosing at least ONE from each section.
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
						सकल योग (Grand Total)							

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(xix) एक मध्यपाषाणकालीन स्थल

A Mesolithic site

(xx) एक मध्यकालीन धार्मिक केंद्र

An ancient religious site

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

2. (a) प्रारंभिक मध्यकालीन भारत के शहरों के उत्थान एवं विकास की प्रक्रिया में विभिन्नता के तत्त्व निहित थे। कथन के संदर्भ में शहरी केंद्रों की प्रमुख विभिन्नताओं को व्याख्यायित कीजिये। 15

Differential factors were associated with the evolution and growth of early medieval Indian cities. Explain the diversities of urban centers with reference to above statement. 15

मोहम्मद हबीब ने मध्यकाल में नगरीय क्रांति की तथा तुर्क आने के बाद ही दी है किंतु इसने पूर्व भी दक्षिण भारत के नगरों का विकास होता रहा है

• उत्तर भारत में इस समय नगरीय क्रांति सुस्त पड चुकी थी • पत्ता, कन्नौज भी • शहरी केन्द्र नहीं रहा किंतु इस समय शहरों की विकास दक्षिण भारत में अधिक सफल दिखता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

नगरों का उत्थान व विकास

विशिष्टता का परिचायक था

धर्म व्यापार केन्द्र, व्यापारिक मार्गों पर

तीर्थ स्थल, वस्त्र निर्माण व

नदियों की भूमिका इत्यादि

- कृषि अधिशेष से अन्य उत्पादन क्रियाओं का संचालन हुआ जिससे राज्यों का निर्माण हुआ
  - मदुरै, कुंभकोणम
- व्यापार केन्द्र के रूप में राज्य विकास
  ↳ उज्जैन.
- तीर्थ स्थान
  ↳ पुरी, महाबलीपुरम कांचीपुरम

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वाणिज्यिक व वस्त्र केन्द्र के रूप में विकास — काशीपुर, वाराणसी

राजधानी स्थान के — महाबलीपुरम, द्वारसमुद्र, इत्यादि

और मध्यकाल में

शहरी केन्द्र का प्रसार व होना

अनेक प्रकार से था

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - ख / SECTION - B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each:

(a) "ब्रह्म सत्य जगत मिथ्या" के संदर्भ में शंकराचार्य के अद्वैतवादी दर्शन को व्याख्यायित कीजिये।

With respect to "brahma satya jagat mithya," explain Shankaracharya's Advaitism.

पूर्वमध्यकाल में शंकर ने बौद्ध धर्म का खण्डन किया तथा हिन्दू धर्म में अद्वैतवादी दर्शन का प्रतिपादन किया।

इन्होंने वेदों व उपनिषदों को सत्य माना तथा इन्हें सम्पूर्ण समस्याओं का निराकरण हेतु आवश्यक बताया।

इन्होंने बताया की ब्रह्म ही सत्य है तथा आत्मा व ब्रह्म एक ही हैं ना कि अलग - अलग।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सांसारिक प्रभाव माया मात्र है न कि वास्तविक। जीव अज्ञानता के कारण ही सांसारिक माया की तरफ आकर्षित होता है जिससे मानव कर्म व पुनर्जन्म के चक्र में बंध जाता है।

ज्ञान प्राप्ति से यह संबंध स्पष्ट होने से सांसारिक इच्छाओं का भी अंत हो जाता है।

इसी प्रकार स्पष्ट होता है कि सांसारिक जीवन में "ब्रह्म सत्य व जगत मिथ्या है"

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) 'इक्ता' व्यवस्था केंद्रीकृत होती सल्तनतकालीन राजनीतिक व्यवस्था का परिचायक थी। स्पष्ट कीजिये।

The 'Iqta' system indicated centralisation tendency of the Sultanate-era political system. Explain.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

तुर्कों की स्थापना के समय भारत खण्डित हो चुका था। तो उन्हें शासन चलाने हेतु संसाधनों की लामबंदी को आवश्यक समझा। इसी कारण इल्तुतमिश द्वारा इक्ता की शुरुआत की।

इक्ता में अमीरों व स्थानीय शासकों को नकद वेतन की जगह भू-राजस्व संबंधी अधिकार प्रदान किये। ताकि सैन्य खर्च उठाया जा सके।

इसमें राजस्व का अधिकार मात्र था न कि भूमि अधिकार।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

- यह वंशानुगत न होकर हस्तांतरित होती थी तथा केन्द्र को राजस्व का जो भाग भेजा जाता वह फवाजिल हुआ करता। इससे स्थानीय अमीरों पर नियंत्रण व राज्य व सैन्य शक्ति दोनों का प्रयोग करते थे।

हालांकि इसका स्वरूप बदलता रहा। अलाउद्दीन के समय यह वापिस ले ली गयी। वहीं फिरोजशाह तुगलक के समय यह दी जाने लगी थी।

वहीं मुगलों ने भी इसी प्रकार की किंतु भिन्न जागीर व्यवस्था का प्रतिपादन किया था।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) विजयनगर साम्राज्य में स्त्रियों की स्थिति समकालीन राज्यों से भिन्न नहीं थी। मूल्यांकन कीजिये।

The situation of women in the Vijayanagara empire was not different from other contemporary states. Evaluate.

स्त्री की स्थिति वैदिक काल से ही दयनीय होती रही है। अतः विजयनगर काल में भी यह कुछ भिन्न नहीं थी

स्त्रियों को दो भागों में बांट सकते हैं।

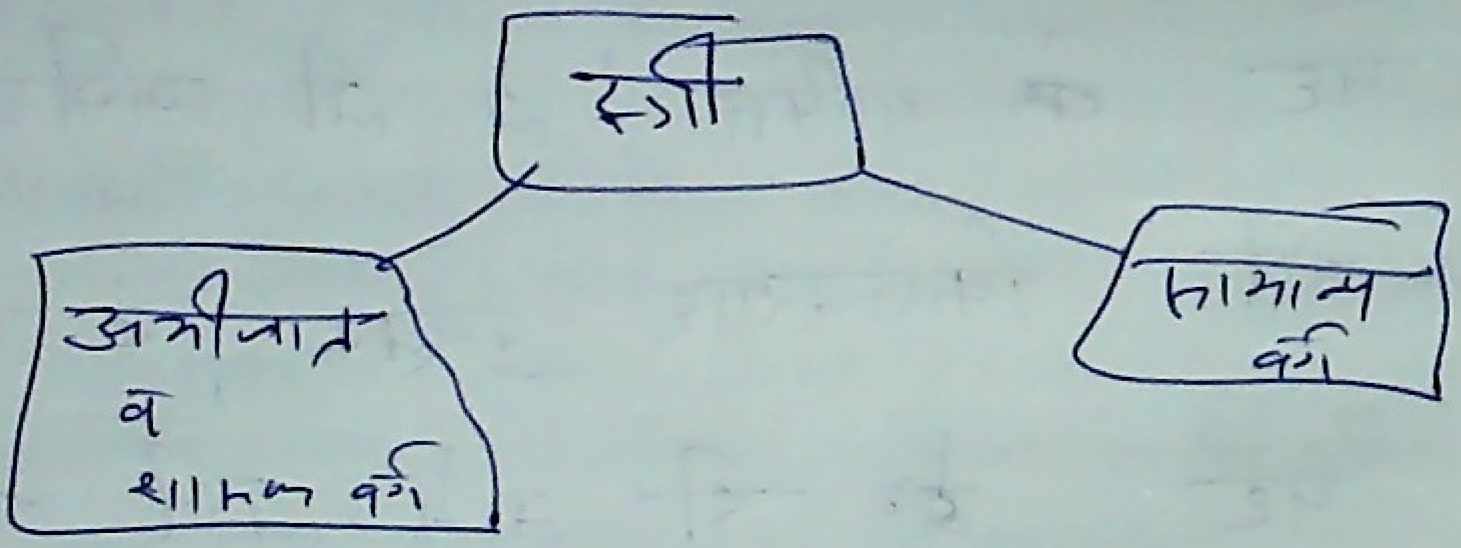

→ इनकी स्थिति कुछ अच्छी थी शिक्षा, लेखन व अन्य अधिकारों से इन्हें वंचित नहीं रखा जाता था ये त्यौहारों व कर्मकांडों में भाग लेती थी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वहीं सामान्य वर्ग स्त्रियों की स्थिती दयनीय थी

- उनके अधिकार की जगह दायित्व अधिक थे
- मंदिरों में देवदासी प्रथा का प्रचलन था।

नर्तकियों को कुछ दासी भी बनाया जाता था

- विविधता वाली कर प्रणाली में विधवा पुनर्विवाह पर कर भी लगाया जाता था हालांकि कृष्णदेवराय ने इसे बंद कर दिया था

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) सामंजस्य तथा सम्मिश्रण की नीति का प्रयोग करते हुए मुगलकालीन चित्रकला के विकास में यूरोपियन कला के प्रभाव की चर्चा कीजिये।

Discuss the effect of European art in the development of Mughal painting, with respect to synthesis and composition.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मुगल चित्रकला की शुरुआत हुमायूँ के काल में हुई तथा अकबर व जहाँगीर के काल में यह अपने चरम पर पहुँची। हालांकि विदेशी प्रभाव से यह भी मुक्त नहीं रह पायी इसपर ईरानी व बाद में यूरोपीय प्रभाव दिखाई पड़ता है।

[मुगल चित्रकला पर यूरोपीय प्रभाव]

- व्यक्ति विशेष के पोर्ट्रेट चित्रों का अंकन
- त्रि आयामी चित्रों शैली प्रमुख विशेषता

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- प्रोस्पेक्टस प्रभाव - दूर की वस्तु छोटी व पास की बड़ी दिखाई देना
- फरिश्तों व देवदूतों के चित्रों का प्रयोग
- प्रकृति का विशेष चित्रांकन जैसे बादलों के चित्र, वर्षा के विभिन्न रूपों को दिखाया जाना।
- हल्के रंगों का प्रयोग। किंतु मुगल चित्रकला विदेशी प्रभावों के सम्पर्क में आने के बाद भी अपनी मौलिकता को बनाए रखने में कामयाब रही।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) मध्यकालीन तकनीकी के अंतर्गत सिंचाई के विभिन्न साधनों का विवरण दीजिये।

Describe the various modes of irrigation under medieval technologies.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

— मध्यकाल में तकनीकी प्रयोग में क्रांतिकारी परिवर्तन आए ये तकनीकी प्रयोग — सैन्य, सिंचाई, कृषि, वस्त्र उद्योग, कला-स्थापत्य में भी

— पूर्व मध्यकाल में सिंचाई हेतु अरघट्ट व चेरी यंत्र के प्रयोग के साक्ष्य मिलते हैं।

— तुर्कों के आने से रहट के प्रयोग के साक्ष्य मिलते हैं।

— एक शताब्दी बाद रहट गियर सिस्टम आया जिसमें पानी निकालने की मात्रा में तेजी आयी

हालांकि बाबर पाडों द्वारा सिंचाई के उल्लेख

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भी करता है।

इब्नबतूता बताता है कि इसन आब्द में तीन फसलो की खेती एक वर्ष में होती थी यह सिंचाई तकनीकी प्रयोग से ही संभव हुआ होगा।

गयासुद्दीन तुगलक व फिरोज तुगलक द्वारा ~~कई~~ नहरो के साथ किले है वही बाबर बंधे हुए पानी पर ऊब प्रकट करता है कि वह सार प्रयोग के बिना ही सागर से पा लिता है।

अबुल फजल 3 प्रकार की फसलों की ऊपज का उल्लेख करता है यह सिंचाई तकनीक के बिना वर्तमान में भी संभव नहीं लगता।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

6. (a) "प्राचीन समय से ही जीवन के आम प्रयोजनों में सभी प्रकार से क्षेत्रीय भाषाओं का प्रयोग किया जाता रहा है।" अमीर खुसरो के इस कथन के परिप्रेक्ष्य में 13वीं एवं 14वीं शताब्दी में क्षेत्रीय भाषाओं के अस्तित्व एवं साहित्य में इनके प्रयोगों का उल्लेख कीजिये। 15

"Since ancient times various vernacular languages have been used in day to day life". Explain the existence of different regional languages and their usage in literature between 13th and 14th centuries. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

पूर्व मध्यकाल से ही क्षेत्रीय भाषाओं का प्रचलन बढ़ गया था इसमें कुछ नई भाषाएं मराठी, हिन्दी, बंगाली, असमीया, गुजराती भी वहीं तमिल व अन्य द्रविड़ परिवार की भाषा पहले से ही प्रचलन में थी

इन भाषाओं में स्थानीय भक्ति आंदोलन द्वारा अधिक बल मिला। क्योंकि संतों द्वारा अपने विचारों का प्रयोग क्षेत्रीय भाषाओं में किया गया था।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- मराठी में नामदेव, तुकाराम की ज्ञानेश्वरी रचना
- चैतन्य द्वारा गीतों का प्रयोग बंगाली भाषा में
- नरसी मेहता द्वारा गुजराती भाषा में वैष्णव जन तेने कहीये रचना
- शंकरदेव द्वारा असमिया भाषा का प्रयोग
- कंबन द्वारा तमिल में रामायण का अनुवाद व नया रूप दिया
- बंगाली में हुसैन शाह द्वारा महाभारत व रामायण का अनुवाद
- मलिक मुहम्मद जायसी द्वारा – अवधी भाषा का प्रयोग

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भाट साहित्य जैसे पृथ्वीराज विजय, रासो में हिन्दी का प्रयोग किया गया।

यह सिलसिला मुगल काल के अधिक चलता रहा तथा रसी काल इसे योगीय भावाओं जानकर हिन्दी का स्वर्ण युग कहा जाता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) "तौहीद-ए-इलाही मूलत: एक राजनीतिक युक्ति थी जो धार्मिक-आध्यात्मिक स्वरूप को धारण किये हुए थी।" कथन के परिप्रेक्ष्य में इसके मूल उद्देश्यों को स्पष्ट कीजिये। 20

"Tauhid-e-Elahi was essentially a political system in religon-spiritual cloak." Explain its original motives in context of the statement. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

अकबर मध्यकाल में अपनी धार्मिक उदारता हेतु अद्वितीय है। उसने पुन: तौहिद-ए-इलाही की स्थापना 1581 में की हालांकि कुछ इतिहासकारों का मानना है कि वह पैगम्बर बनना चाहता था वहीं इसे अकबर की मूर्खता का कमाल भी बताया।

किंतु विश्लेषण करने से लगता है कि यह उसकी राजनीतिक नीति से उपजा हुआ विचार था। अकबर इबादत खाना में बहस से समझ गया कि सभी धर्म एक है तथा सत्य सभी की जड़ है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उनके इन मतभेदों को दूर करने हेतु इस धर्म की शुरुआत की

यह आचार संहिता की विभिन्न धर्मों, आदर्शों व नैतिकता का समावेश था

इसको मानने वालों हेतु नियम

नियम
- मांस का सेवन न करना
- आत्मा को शुद्ध करना
- सत्य के मार्ग पर चलना
- दान देना
- जन्मदिन मनाना व सभी को भोजन
- नाबालिग व वृद्ध महिला से संभोग न करना

हालांकि इसे मुसलमानों ने इस्लाम के विरुद्ध माना वहीं हिन्दुओं ने उसके धर्म के प्रयोजन मात्र की सराहा ही

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

यह धर्म नहीं था इसकी पुष्टि इससे होती है कि न पूजा स्थल, न पुजारी, न कर्मकाण्ड, व न ही ग्रन्थ था

अकबर इसके अनुसार धार्मिक एकता द्वारा राजनीतिक एकता लाना चाहता था।

हालांकि वह इस कार्य में सफल नहीं हो सका क्योंकि इसे स्वीकारने वाले मात्र 18 व्यक्ति ही थे।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) राजनीतिक एकता और स्थायित्व के अभाव में अठारहवीं शताब्दी का भारत आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से पिछड़ गया, जिसकी अंतिम परिणति ब्रिटिश सत्ता के आधिपत्य के रूप में परिलक्षित हुई। स्पष्टीकरण कीजिये। 15

In the absence of political unity and stability, the eighteenth century India lagged behind in economic, social and cultural terms, which ultimately culminated in the domination of the British. Elucidate. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

18वीं सदी में मुगल साम्राज्य का पतन हो गया था तथा बहादुरशाह-I की के काल तक कुछ अच्छा कहा जा सकता है।

आर्थिक स्थिति का पता कृषि के पतन व जागीरदारी संकट से चलता है कि अमीरों को देने हेतु जागीरें भी नहीं थी।

केन्द्रीय सत्ता के (भारत में) पतनोन्मुखी होने के कारण स्थिति दयनीय थी तथा मराठा, मैसूर, हैदराबाद, अवध जैसे क्षेत्रीय राज्य व अफगानों व ईरानी आक्रमण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

से तुरपात ने सब समाप्त कर दिया

- तत्कालीन स्थिति में कुरीतियों का बोलबाला था/ राजपूत अपनी जाति प्रथा, प्रथा प्रथा को प्रचलित किया एवं कला प्रतीकात्मी धर्म गती चित्रकार पहाड़ी शैली में चल गया

राज्यों का पतन शुरू होगया। दिल्ली को भी उजड़ी हुई बताया गया है।

हालांकि कुछ नए शहरों में उदय अवश्य हुआ जैसे कलकत्ता, लखनऊ, इत्यादि।

कारीगरों का व्यापारिक कम्पनियों द्वारा शोषण किया जाता था। अंग्रेजों ने स्थिति को खराब की स्थिति

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अतः इन सभी कमजोरियों का लाभ अंग्रेजों द्वारा उठाया गया तथा ब्रिटिश राजनीति ने खंडित भारत पर अपनी सत्ता स्थापित करने में कामयाब रहे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) फिरोज़शाह तुगलक के जनकल्याणकारी एवं प्रशासनिक सुधार के कार्य अपने पूर्वगामी शासक के कार्यों से उत्पन्न अस्थिरता एवं जनमानस के असंतोष को साधने का प्रयत्न था। व्याख्या कीजिये। 20

The fiscal and administrative reforms of Firoz Shah tughlaq were an attempt to check the instability and dissatisfaction among the masses that had risen due to the Policies of his Predecessors. Elaborate. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मुहम्मद बिन तुगलक की नीतियों का बुरा प्रभाव राज्य पर पड़ा जिससे खर्च व क्षति दोनों मे वृद्धि हुई।

फिरोज शाह तुगलक ने उसके प्रभाव को दूर करने हेतु कार्य किया। जो उसकी जनकल्याणकारी व प्रशासनिक नीतियों मे दिखता है

- राज्य की आय बढाने हेतु लगान सुधार किये लगान की दर मे कमी लायी गयी। हालांकि राजस्व बढाने हेतु उसने ब्राह्मणों पर भी जजिया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लगाया।

- सिंचाई हेतु नहरों का निर्माण करवाया। दिल्ली व हरियाणा क्षेत्र में 8 नहरों का निर्माण किया ताकि जल की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके

- कृषि के बागान लगवाए जिसमें बरनी 1200 बागानों का उल्लेख मिलता है

- उत्पादन बढ़ाने हेतु कारखाना पद्धति को लागू किया। हालांकि यह ईरान से प्रेरित थी 36 कारखानों की स्थापना का उल्लेख मिलता है।

- दासों की स्थिति सुधारने हेतु दिवान-ए-बंदगान नामक संस्था का गठन किया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गरीब व्यक्तियों को मुफ्त दवाईयां देने हेतु दिवान-ए-खैरात नामक विभाग की स्थापना की

- लोक निर्माण विभाग व शहरों की स्थापना भी की जैसे - फतेहाबाद - हिसार, जौनपुर आदि

सड़कों के दोनों ओर पेड़ व सरायें लगवायें।

हालांकि अपनी प्रशासनिक ढील देने की नीति हेतु वह सल्तनत के पतन के मुख्य कारक का दोषी

- पदों को वंशानुगत
- उलेमा व सरदार को ज्यादा महत्व
- इत्यादि

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) जैन-उल-आबदीन ने अपने शासनकाल में युद्धभूमि में कोई विशेष सफलता अर्जित नहीं की, फिर भी उसे कश्मीर के अकबर की संज्ञा देना कितना उचित प्रतीत होता है? 15

During his reign, Jain-ul-Abidin had not earned any special success in battleground, yet how appropriate is it to give him the title of Akbar of Kashmir? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कश्मीर मे मध्यकाल मे मुस्लिम शासकों का शासन आना एक ~~क्रांति कारी परिवर्तन~~ था उस समय शुरुआत सिकंदर से हुई तथा 15वीं सदी मे ही जैन-उल-आबदीन का शासन भी क्रांतिकारी रहा।

युद्ध विजयों के अपने कारणों, के तत्काल तक की विजय प्राप्त की किंतु उनका शासन युद्ध के अतिरिक्त धार्मिक उदारता के कारण जाना जाता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- गौ हत्या पर प्रतिबंध लगाया
- सती प्रथा से प्रतिबंध हटाया
- जैना लंका नाम से वुलर झील में द्वीप निर्माण
- हिंदुओं को मंदिर निर्माण की इजाजत दी।
- जजिया कर से मुक्त किया
- मंदिरों के निर्माण हेतु आदेश भी दिये।
- स्वयं कुतुब नाम से भी कविताएं लिखता था तथा राजतरंगिणी ग्रन्थ का अनुवाद व महाभारत का अनुवाद किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इन्हीं कृत्यों के कारण उसे अकबर का धार्मिक उदारता हेतु पूर्ववर्ती सामान्य कहा जा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) मराठों की प्रशासनिक संरचना एक परिष्कृत केंद्रीकृत निरंकुश राजतंत्र पर आधारित थी। विश्लेषण कीजिये। 15

The administrative structure of Marathas was a refined centralized autocracy. Analyze. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मराठा प्रशासन में राजा प्रशासन की धुरी होता था। वह सर्वोच्च न्यायाधीश तथा सेनापति था। उसकी शक्ति असीमित होती थी। प्रशासन निरंकुश होते हुए भी कि जन कल्याण से प्रेरित था।

राजा की सहायता हेतु अष्ट प्रधान नाम की ~~प्रशासन~~ मंत्री परिषद थी जिसका ~~अध्यक्ष~~ ~~किसे~~ प्रधान पेशवा होता था।

ये अपने कार्य ~~के~~ विशेषज्ञ होते थे तथा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

माधविय व पवित्र रान के अलावा अन्य ने भी सेवा भी की था सकती थी

शिवाजी ने प्रशासन को दुर्बो मे विभाजित कर दिया था इसके प्रमुख को हवलदार कहा जाता था गाँव प्रशासन की इकाई थी इसका मुखिया पटवारी होता था

शाहु के बाद पेशवा प्रमुख शासक बन गया व वह नाममात्र का शासक था हालांकि बाद में

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारत राज्य स्वतंत्र होकर भागों में बंट गया अतः यह अंग्रेजों के हाथ से समाप्त भी हो गया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation